सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-7	विषय: हिंदी महाभारत	पाठ: अभिमन्यु तथा द्रोण की मृत्यु

कक्षा 7 महाभारत

(अभिमन्यु तथा द्रोण की मृत्यु)

उत्तर १) चक्रव्यूह के घेरे को तोड़ता हुआ वीर अभिमन्यु आगे बढ़ता गया ।जयद्रथ ने अन्य वीरों - भीम द्रुपद और सात्यकि को व्यूह के बाहर ही रोक लिया ।इस प्रकार अभिमन्यु अकेला व्यूह में फँस गया।

उत्तर २) अर्जुन ने अपने पुत्र की मृत्यु का समाचार पाकर यह प्रतिज्ञा कि "कल मैं जयद्रथ का वध करूँगा। कल सूर्यास्त से पूर्व मैं उसका वध करूँगा, अन्यथा मैंआत्महत्या कर लूंँगा।

उत्तर ३) अर्जुन ने जयद्रथ का वध करके बदल लिया।श्री कृष्ण ने अर्जुन की सहायता करने के लिए युक्ति से विशाल काले बादलों की धुंध पृथ्वी से आकाश तक, सूर्य के सामने फैला दी। जिससे कौरवों को भ्रम हुआ और उन्होंने समझा की जयद्रथ की मृत्यु का खतरा अब नहीं रहा । परंतु अर्जुन ने युद्ध जारी रखा।

उत्तर ४) घटोत्कच को कर्ण ने विद्युत का प्रहार करने वाला इंद्र द्वारा दिया गया वज्रास्त्र घटोत्कच पर फेंका जिससे घटोत्कच मारा गया।

उत्तर ५) जब द्रोण को यह विश्वास हो गया कि अश्वत्थामा की मृत्यु हो गई है तो उन्होंने अपने अस्त्र डाल दिए और युद्ध में भाग न लेने की घोषणा कर दी । हथियार डालकर वे प्रार्थना और चिंतन के लिए बैठ गए । धृष्टद्युम्न इसी पल की प्रतीक्षा में बैठे थे। उन्होंने अपनी तलवार निकाल कर एक हाथ से द्रोण का सिर काट डाला।